Date – 29 June 2022

राज्यों को सड़क सुरक्षा ऋण: विश्व बैंक

- हाल ही में विश्व बैंक ने सात राज्यों में सड़क सुरक्षा के लिए भारत राज्य सहायता कार्यक्रम के लिए 250 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ऋण को मंजूरी दी है, जिसके तहत दुर्घटना के बाद की घटनाओं को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने के लिए एकल दुर्घटना रिपोर्ट संख्या। (सिंगल एक्सीडेंट रिपोर्टिंग नंबर) स्थापित किया जाएगा।

विश्व बैंक:

- अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (IBRD) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की स्थापना 1944 में न्यू हैम्पशायर, यूएसए में ब्रेटन वुड्स सम्मेलन के दौरान एक साथ की गई थी।
- विश्व बैंक समूह गरीबी को कम करने और विकासशील देशों में साझा समृद्धि का निर्माण करने वाले स्थायी समाधान की दिशा में काम कर रहे पांच संस्थानों की एक अद्वितीय वैश्विक साझेदारी है।

सदस्य:

- 189 देश इसके सदस्य हैं।
- भारत भी इसका सदस्य है।

प्रमुख रिपोर्ट:

- मानव पूंजी सूचकांक।
- विश्व विकास रिपोर्ट।

इसके पांच विकास संस्थान:

- पुनर्निर्माण और विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय बैंक (आईबीआरडी)
- अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ (आईडीए)
- अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी)
- बहुपक्षीय गारंटी एजेंसी (MIGA)
- निवेश विवादों के निपटान के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (ICSID)
- भारत इसका सदस्य नहीं है।

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं:

- परियोजना दुर्घटनाओं का विश्लेषण करने और बेहतर और सुरक्षित सड़कों के निर्माण के लिए इसका उपयोग करने के लिए एक राष्ट्रीय सामंजस्यपूर्ण क्रैश डेटाबेस सिस्टम स्थापित करेगी।
- पुनर्निर्माण और विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय बैंक (आईबीआरडी) से 250 मिलियन अमरीकी डालर के परिवर्तनीय स्प्रेड ऋण की परिपक्वता अवधि 18 वर्ष है जिसमें 5 वर्ष की छूट अवधि शामिल है।
- इसे आंध्र प्रदेश, गुजरात, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में लागू किया जाएगा।

लक्ष्य:

- इसका उद्देश्य सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए बुनियादी और उन्नत लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस के नेटवर्क विस्तार और पहले रिस्पॉन्डर केयरगिवर्स के मौके पर प्रशिक्षण के लिए फंड देना है।
- यह परियोजना राज्यों को सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) रियायतों और पायलट पहलों के माध्यम से निजी वित्तपोषण का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहन भी प्रदान करेगी।
- सड़क हादसों का खामियाजा महिलाओं को परोक्ष रूप से भुगतना पड़ता है। इस चुनौती को स्वीकार करते हुए, परियोजना में लिंग-विशिष्ट फोकस है और सड़क सुरक्षा क्षेत्र में प्रबंधन भूमिकाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देगा।

- यह परियोजना महिलाओं के लिए विशेष रूप से पोस्ट-क्रैश केयर कमांड और नियंत्रण केंद्रों में रोजगार के अवसर भी प्रदान करेगी।

भारत में सड़क दुर्घटना परिदृश्य:

- आधिकारिक सरकारी आंकड़े बताते हैं कि भारत में हर साल सड़क दुर्घटनाओं में लगभग 150,000 लोग मारे जाते हैं और अन्य 450,000 लोग घायल होते हैं।
- पीड़ितों में आधे से अधिक पैदल चलने वाले, साइकिल चालक या मोटरसाइकिल सवार हैं, और सभी मौतों में से लगभग 84 प्रतिशत 18-60 वर्ष के कामकाजी आयु वर्ग के हैं।
- गरीब परिवार, जिनमें 70% से अधिक दुर्घटना के शिकार होते हैं, आय की कमी, उच्च चिकित्सा व्यय और सामाजिक सुरक्षा जाल तक सीमित पहुंच के कारण सड़क दुर्घटनाओं के सामाजिक-आर्थिक बोझ का एक उच्च अनुपात वहन करते हैं।

सड़क सुरक्षा के लिए पहल:

वैश्विक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सड़क सुरक्षा 2030 पर तीसरा उच्च स्तरीय वैश्विक सम्मेलन:

- सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) ने वर्ष 2020 में स्वीडन में एक सम्मेलन में भाग लिया (वैश्विक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सड़क सुरक्षा 2030 पर तीसरा उच्च स्तरीय वैश्विक सम्मेलन 2030), जहां भारत ने 2030 तक शून्य सड़क दुर्घटनाओं का लक्ष्य निर्धारित किया है।

ब्रासीलिया घोषणा:

- भारत ने ब्रासीलिया घोषणा पर हस्ताक्षर किए हैं और मृत्यु दर को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है।
- ब्राजील में आयोजित सड़क सुरक्षा पर दूसरे वैश्विक उच्च स्तरीय सम्मेलन में घोषणा पर हस्ताक्षर किए गए।

मोटर वाहन (एमवी) (संशोधन) अधिनियम, 2019:

- इसने यातायात उल्लंघन, दोषपूर्ण वाहन, किशोर ड्राइविंग आदि के लिए दंड में वृद्धि की है।
- यह मोटर वाहन दुर्घटना कोष प्रदान करता है, जो भारत में सभी सड़क उपयोगकर्ताओं को कुछ प्रकार की दुर्घटनाओं के लिए अनिवार्य बीमा कवर प्रदान करेगा।

स्वदीप कुमार

भारत और मलेशिया के बीच रक्षा सहयोग

- हाल ही में, भारतीय रक्षा मंत्री ने दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए अपने मलेशियाई समकक्ष के साथ बातचीत की।
- मलेशियाई वायु सेना 18 नए हल्के लड़ाकू विमानों की तलाश कर रही है, जिसमें कई राष्ट्र दक्षिण कोरिया, पाकिस्तान, चीन और स्वीडन सहित एक समूह बना रहे हैं। भारतीय ऑफर एलसीए एमके1ए वर्जन के लिए है।
- भारत ने मलेशिया द्वारा संचालित स्वदेशी लड़ाकू विमानों के साथ-साथ रूसी मूल के Su30 MKM विमानों के रखरखाव के लिए दोहरे पैकेज की पेशकश की है।

बैठक के मुख्य बिंदु:

- दोनों देशों ने उन क्षेत्रों पर प्रकाश डाला जिनमें भारतीय रक्षा उद्योग मलेशिया की सहायता कर सकता है। भारत ने भारतीय रक्षा उद्योग की सुविधाओं और उत्पादों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने के लिए मलेशिया के वरिष्ठ अधिकारियों को भारत आमंत्रित किया।
- मलेशिया ने शांति अभियानों में महिला कामगारों को शामिल करने की आवश्यकता व्यक्त की। दोनों पक्ष इस मुद्दे पर एक दूसरे को शामिल करने पर सहमत हुए।
- दोनों देश मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) कार्यों के लिए क्षमता के उन्नयन पर सहमत हुए।
- दोनों पक्षों ने दोनों देशों के बीच मौजूदा रक्षा सहयोग गतिविधियों और ढांचे और मौजूदा मलेशिया-भारत रक्षा सहयोग बैठक (मिडकॉम) ढांचे के तहत उन्हें और बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।
- अगला मिडकॉम जुलाई 2022 में आयोजित होने वाला है और रक्षा क्षेत्र में गहरी भागीदारी के लिए इस मंच का उपयोग करने का निर्णय लिया गया।

भारत-मलेशिया संबंधों के प्रमुख बिंदु:

- भारत ने 1957 में मलेशिया के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए।
- आर्थिक संबंध: भारत और मलेशिया ने व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। सीईसीए एक प्रकार का मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) है।
- भारत ने 10 सदस्यीय दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) के साथ सेवाओं और निवेश में एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर भी हस्ताक्षर किए हैं।
- मलेशिया आसियान में तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।
- भारत और मलेशिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार मलेशिया के पक्ष में है।
- रक्षा और सुरक्षा सहयोग: संयुक्त सैन्य अभ्यास "हरिमऊ शक्ति" दोनों देशों के बीच प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है।
- पारंपरिक चिकित्सा: भारत और मलेशिया ने अक्टूबर 2010 में पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
- मलेशिया सरकार मलेशिया में आयुष (आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी) प्रणालियों को लोकप्रिय बनाने के लिए काम कर रही है।
- मलेशिया में आयुष प्रणाली का उपयोग किया जाता है।

हाल की घटनाएं:

- वर्ष 2020 में भारत और मलेशिया के बीच राजनयिक कूटनीति के बाद चार महीने के अंतराल के बाद मलेशियाई पाम तेल की खरीद फिर से शुरू हुई।
- मलेशिया के पूर्व प्रधान मंत्री ने भारत के नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) की आलोचना की, जिसे भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप माना जाता था।

भारत के लिए मलेशिया का महत्व:

- भारतीय मूल की 2% आबादी वाले देश के रूप में, मलेशिया भारत की विदेश नीति में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है।
- मलक्का जलडमरूमध्य और दक्षिण चीन सागर जैसे व्यस्त समुद्री मार्गों से घिरा, मलेशिया भी भारत की एक्ट ईस्ट नीति का एक प्रमुख स्तंभ है और भारत की समुद्री संपर्क रणनीतियों के लिए महत्वपूर्ण है।

स्वदीप कुमार